M.A.Previous Hindi Annual Scheme 2018

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2018

वार्षिक

इस वार्षिक परीक्षा में चार लिखित प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा। कुल पूर्णांक 400 होंगे।

प्रथम प्रश्न–पत्र : आधुनिक काव्य

द्वितीय प्रश्न–पत्र : गद्य साहित्य

तृतीय प्रश्न–पत्र : काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

चतुर्थ प्रश्न–पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2018
प्रथम प्रश्न–पत्र
आधुनिक काव्य

इकाई 1 : **साकेत** –मैथिलीशरण गुप्त (निर्धारित काव्यांश–नवम सर्ग)
कामायनी –जयशंकर प्रसाद (निर्धारित सर्ग–चिंता, श्रद्धा, लज्जा और इड़ा), भारती भंडार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद

इकाई 2 : **राग–विराग** –निराला– (सं.) रामविलास शर्मा (निर्धारित कविताएँ–राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति), लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि –अज्ञेय–(सं.) विद्यानिवास मिश्र (निर्धारित कविताएँ–बावरा अहेरी, शब्द और सत्य, हिरोशिमा, सोनमछली, टेसू, नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, कितनी नावों में कितनी बार), भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली

इकाई 3 : **चाँद का मुँह टेढ़ा है** –मुक्तिबोध (निर्धारित कविता–अँधेरे में), भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ (सं.) नामवरसिंह (निर्धारित कविताएँ–प्रतिबद्ध हूँ, तन गयी रीढ़, खुरदरे पैर, यह तुम थी, बादल को घिरते देखा है, बहुत दिनों के बाद, मेरी भी आभा है इसमें, फसल, प्रेत का बयान, सत्य), राजकमल प्रकाशन दिल्ली

इकाई 4 : **द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि**–1. श्रीधर पाठक, 2. सुभद्राकुमारी चौहान, 3. महादेवी वर्मा, 4. नरेश मेहता, 5. कुँवर नारायण

इकाई 5 : **द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि**–1. धूमिल, 2. दुष्यन्त कुमार, 3. अशोक वाजपेयी, 4. चंद्रकांत देवताले, 5. लीलाधर जगूड़ी

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) $10 \times 2 = 20$ अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) $5 \times 7 = 35$ अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों/कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) $3 \times 15 = 45$ अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

साकेत : एक अध्ययन : नगेन्द्र
कामायनी का पुनर्मूल्यांकन : रामस्वरूप चतुर्वेदी
निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा
अज्ञेय की कविता : चन्द्रकान्त बांदिवडेकर
गजानन माधव मुक्तिबोध : लक्ष्मण दत्त गौतम
कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
महादेवी का काव्य सौष्ठव : कुमार विमल
सुमित्रानन्दन पंत : नगेन्द्र
उत्तरशती के श्रेष्ठ हिन्दी कवि : संपा. लालचन्द गुप्त
युग चारण दिनकर : सावित्री सिन्हा
निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह
फिलहाल : अशोक वाजपेयी
छायावाद में यथार्थ तत्त्व : छोटाराम कुम्हार
कविता की राह : कौशलनाथ उपाध्याय
नागार्जुन : सत्यनारायण

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2018
द्वितीय प्रश्न–पत्र
गद्य साहित्य

इकाई 1 : **निबन्ध**–ज़बान (बालकृष्ण भट्ट), मेघदूत (महावीर प्रसाद द्विवेदी), लोभ और प्रीति (रामचन्द्र शुक्ल), कुटज (हजारी प्रसाद द्विवेदी), तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य (रामविलास शर्मा), हल्दी, दूब और दधि अक्षत (विद्यानिवास मिश्र), निषाद बाँसुरी (कुबेरनाथ राय) = कुल सात

आषाढ़ का एक दिन –मोहन राकेश

इकाई 2 : **गोदान** –प्रेमचन्द

मैला आँचल – फणीश्वरनाथ 'रेणु'

इकाई 3 : **कहानियाँ**–'उसने कहा था' (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी), 'कफन' (प्रेमचन्द), 'खोई हुई दिशाएँ' (कमलेश्वर), 'परिन्दे' (निर्मल वर्मा), 'मछलियाँ' (उषा प्रियंवदा), 'बादलों के घेरे' (कृष्णा सोबती), 'टूटना' (राजेन्द्र यादव), 'गुलकी बन्नो' (धर्मवीर भारती), 'संबंध' (ज्ञान रंजन), 'तिरिछ' (उदय प्रकाश) = कुल दस

अतीत के चलचित्र –महादेवी वर्मा

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित रचनाकार**–– निबन्धकार–प्रतापनारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त; नाटककार–जयशंकर प्रसाद, लक्ष्मीनारायण मिश्र; जीवनी लेखक – अमृतराय

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित रचनाकार**–– उपन्यासकार– जैनेन्द्र, यशपाल, कहानीकार– अज्ञेय, अमरकान्त; आत्मकथा लेखक– हरिवंश राय बच्चन

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या इकाई चार, पाँच में निर्धारित रचनाकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों/कृतिकारों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

प्रसाद : नाट्य और रंगशिल्प : गोविन्द चातक
मोहन राकेश का नाट्य साहित्य : पुष्पा बंसल
गोदान : अध्ययन की समस्याएँ : गोपालराय
हिन्दी निबंध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा
कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह
महादेवी का गद्य : सूर्यप्रसाद दीक्षित
हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन : एस.एन. गणेशन
हिन्दी कहानी : समीक्षा और सन्दर्भ : विवेकी राय
हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
हिन्दी कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी
कहानी का वर्तमान : कौशलनाथ उपाध्याय
फणीश्वरनाथ रेणु का कथा संसार : सूरज पालीवाल
महादेवी वर्मा : सं. परमानन्द श्रीवास्तव
प्रेमचन्द का कहानी साहित्य (चरित्र चित्रण के विविध आयाम) : श्रवणकुमार मीणा
प्रेमचन्द और भारतीय किसान : रामबक्ष
फणीश्वरनाथ रेणु का कथा शिल्प : रेणु शाह

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2018

तृतीय प्रश्न–पत्र

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

इकाई 1 : **संस्कृत काव्यशास्त्र**–काव्यलक्षण, काव्यहेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार

रस–सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति,साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा

अलंकार–सिद्धान्त : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण

इकाई 2 : **रीति सिद्धान्त** : रीति की अवधारणा, रीति–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ

वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनिकाव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्रकाव्य

औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद

इकाई 3 : **पाश्चात्य चिन्तक**–

अरस्तू–अनुकरण और विरेचन सिद्धान्त

लोंजाइनस–उदात्त की अवधारणा

वर्ड्सवर्थ–काव्यभाषा का सिद्धान्त

कॉलरिज–कल्पना सिद्धान्त और ललित कल्पना

टी.एस. इलियट–परम्परा की परिकल्पना, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण

आई.ए. रिचर्ड्स–रागात्मक अर्थ, संवेगों का सन्तुलन, व्यावहारिक आलोचना

इकाई 4 : **सिद्धान्त और वाद** –– स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई 5 : **हिन्दी काव्यशास्त्र और आलोचना**–

लक्षण–काव्य परम्परा, रीतिकालीन कवि–आचार्यों–केशव, चिन्तामणि, देव, भिखारीदास का काव्यशास्त्रीय चिंतन।

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ–शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय ।

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) $10 \times 2 = 20$ अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) $5 \times 7 = 35$ अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) $3 \times 15 = 45$ अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

भारतीय साहित्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय
भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे
रस–मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल
रस–सिद्धान्त : स्वरूप विश्लेषण : आनन्दप्रकाश दीक्षित
पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा
पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : शान्तिस्वरूप गुप्त
भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य चिन्तन : सभापति मिश्र
हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास : भगीरथ मिश्र
आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
भारतीय काव्यशास्त्र : योगेन्द्र प्रताप सिंह

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2018
चतुर्थ प्रश्न–पत्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास

इकाई 1 : इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ। हिन्दी साहित्य का इतिहास–काल–विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण। आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, रासो काव्य, आदिकालीन काव्यरूप, अब्दुर्रहमान, अमीर खुसरो एवं विद्यापति का योगदान।

इकाई 2 : पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि। सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आन्दोलन। प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और काव्य–प्रवृत्तियाँ। भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य–प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्त्व। रामकाव्य–परम्परा और तुलसीदास। कृष्णकाव्य–परम्परा तथा प्रमुख कवियों का रचनागत वैशिष्ट्य। राम–कृष्ण काव्येतर भक्तिकाव्य। भक्तीतर काव्य।

इकाई 3 : उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, रीतिकालीन कवियों की जीवन दृष्टि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त कवि और काव्य, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, रीतिकाल की अवान्तर काव्य धाराएँ–भक्ति, वीर और नीति काव्य।

इकाई 4 : 1857 ई. की राज्यक्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण। आधुनिक काव्य–भारतेन्दु युग–प्रमुख कवि और काव्यगत विशेषताएँ। द्विवेदी युग–प्रमुख कवि और काव्यगत वैशिष्ट्य। राष्ट्रीय काव्यधारा और उसके प्रमुख कवि। छायावाद, उत्तर छायावादी काव्य, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

इकाई 5 : हिन्दी गद्य का उद्‌भव तथा विकास, हिन्दी उपन्यास–विकास के प्रमुख चरण, हिन्दी कहानी का विकास और प्रमुख कहानी आन्दोलन, हिन्दी निबन्ध का विकास, हिन्दी नाटक–विकास के चरण, हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास। हिन्दी गद्य की अन्य विधाओं–एकांकी, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा की विकास–यात्रा। दलित लेखन, स्त्री लेखन। हिन्दीतर क्षेत्रों में हिन्दी भाषा और साहित्य।

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

साहित्य का इतिहास–दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप : सुमन राजे
हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास : किशोरीलाल गुप्त
हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य का अतीत : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
भक्ति–आन्दोलन और लोकसंस्कृति : कुँवरपाल सिंह
दलित साहित्य आन्दोलन : चन्द्र कुमार वरठे
स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपतिचन्द्र गुप्त
स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य : के.एम. मालती
हिन्दी साहित्य में मध्ययुगीनता की अवधारणा–पूर्णदास
दलित साहित्य और समसामयिक सन्दर्भ : श्रवणकुमार मीणा
साहित्यालोचन : विविध रंग – रेणु शाह